INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL, DAMMAM
MODEL EXAM-2017-18

CLASS X

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 80

खंड-क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना हुआ है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फ़रेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है, परंतु ऊपर-ऊपर जो कुछ दिखाई दे रहा है, वह बहुत ही हाल की मनुष्य निर्मित नीतियों की त्रुटियों की देन है। सदा मनुष्य बुद्धि नई परिस्थितियों का सामना करने के लिए नए सामाजिक विधि-निषेधों को बनाती है। उनके ठीक साबित न होने पर उन्हें बदलती है। नियम-कानून सबके लिए बनाए जाते हैं, पर सबके लिए कभी-कभी एक ही नियम सुखकर नहीं होते। सामाजिक कायदे-कानून कभी युग-युग से परीक्षित आदर्शों से टकराते हैं। इससे ऊपरी सतह आलोड़ित भी होती है, पहले भी हुआ है, आगे भी होगा। उसे देखकर हताश हो जाना ठीक नहीं है। भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया है। उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक तत्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ, मोह, काम, क्रोध आदि विकास मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर इन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और मन तथा बुद्धि को इन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है।

(क) **देश में आजकल कैसा माहौल बना हुआ है ?** (2)

(ख) **जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था क्यों हिलने लगी है?** (2)

(ग) **मनुष्य के भीतर कौन-कौन से विकार विद्यमान हैं ?** (2)

(घ) **आज भी भारतवर्ष भीतर-भीतर में क्या अनुभव कर रहा है ?** (2)

(ङ) **भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को अधिक महत्त्व क्यों नहीं दिया है?** (1)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

मंदिर-मसज़िद-गिरजाघर ने
बाँट लिया भगवान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।
अभी राह तो शुरू हुई है

मंज़िल बैठी दूर है।
उजियारा महलों में बंदी
हर दीपक मज़बूर है।।
मिला न सूरज का संदेसा
हर घाटी-मैदान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।
अब भी हरी-भरी धरती है
ऊपर नील वितान है।
पर न प्यार हो तो जग सूना
जलता रेगिस्तान है।
अभी प्यार का जल देना है
हर प्यासी चट्टान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।
साथ उठें सब तो पहरा हो
सूरज का हर द्वार पर।
हर उदास आँगन का हक हो
खिलती हुई बहार पर।।
रौंद न पाएगा फिर कोई
मौसम की मुसकान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इंनसान को।

(क) **काव्यांश के आधार पर बताइए कि भगवान को किसने बाँटा है?** (2)

(ख) **बिना प्यार के संसार कैसा हो सकता है ?** (2)

(ग) **मौसम की मुसकान को कब कोई रौंद न पाएगा ?** (2)

खंड-ख

3. (क) शब्द किसे कहते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। (1)

(ख) पद की परिभाषा लिखिए। (1)

4. **निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण कीजिए –** (3)

(क) एक किरायेदार आया और दूसरा किरायेदार चला गया। (सरल वाक्य में)

(ख) मोर नाचने पर मन प्रसन्न हो जाता है। (मिश्र वाक्य में)

(ग) चातक थोड़ी देर तक चुप रहकर बोला। (संयुक्त वाक्य में)

5. (क) **समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए –** (2)

सत्य-असत्य, पत्थरदिल।

(ख) **समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए –** (2)

धन से हीन, तीन फलों का समूह।

6. i- **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–** (4)

(क) दरअसल में वह उससे प्रेम करता है। (ख) आइए, पधारिए आपका स्वागत है।

(ग) उसने राम को पूछा। (घ) वह अवश्य ही मेरे घर आएगा।

ii- **मुहावरों को वाक्य में प्रयोग कीजिए –** (2)

(क) काम तमाम करना।

(ख) निराशा के बादल छँटना।

खंड-ग

7. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए।

अथवा

'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। इस कहानी के लिए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए तथा नए शीर्षक का आधार स्पष्ट कीजिए। (5)

8. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

अभिनय के दृष्टिकोण से 'तीसरी कसम' राजकपूर की ज़िंदगी की सबसे हसीन फ़िल्म है। राजकपूर जिन्हें समीक्षक और कला-मर्मज्ञ आँखों से बात करने वाला कलाकार मानते हैं, 'तीसरी कसम' में मासूमियत के चर्मोत्कर्ष को छूते हैं। अभिनेता राजकपूर जितनी ताकत के साथ 'तीसरी कसम' में मौजूद हैं, उतना 'जागते रहो' में भी नहीं। 'जागते रहो' में राजकपूर के अभिनय को बहुत सराहा गया था, लेकिन 'तीसरी कसम' वह फ़िल्म है, जिसमें राजकपूर अभिनय नहीं करता। वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है। खालिस देहाती भुच्च गाड़ीवान, जो सिर्फ़ दिल की जुबान समझता है, दिमाग की नहीं।

(क) **लेखक ने राजकपूर की सबसे हसीन फ़िल्म किसे और क्यों कहा है ?** (2)

(ख) **राजकपूर को कैसा कलाकार माना जाता है?** (1)

(ग) **'तीसरी कसम' में राजकपूर ने कौन-सी भूमिका निभाई है ?** (2)

9. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

(क) वर्षा ऋतु में पल-पल बदल रही प्रकृति के किसी एक दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (2)

(ख) कंपनी बाग के मुहाने पर रखी तोप को देखकर हमें क्या शिक्षा लेनी चाहिए। (2)

(ग) श्याम की चाकरी करने के पीछे मीरा की कौन-सी भावना प्रकट होती है। (1)

10. 'पद' पाठ के आधार पर बताइए कि पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की बिनती किस प्रकार की है?

अथवा

'मधु-मधुर मेरे दीपक जल' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए। (5)

11. 'हरिहर काका' ने भोजन की थाली आँगन में क्यों फेंक दी? क्या उनका ऐसा करना उचित था? पाठ के आधार पर बताइए। (5)

अथवा

'धर्म और जाति के बंधन में बँधकर भी इफ़्फ़न की दादी एक आदर्श नारी थीं।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

खंड-घ

12. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए–** (5)

(क) नैतिक शिक्षा –

संकेत बिंदु–0 परिभाषा 0 उद्देश्य 0 सर्वांगीण विकास 0 देशभक्ति

(ख) समय अमूल्य धन है –

संकेत बिंदु – 0 समय सीमित है 0 आलस्य 0 सुखों की प्राप्ति 0 अमूल्य धन

(ग) अभ्यास और प्रयास –

संकेत बिंदु – 0 अभ्यास और प्रयास का संबंध 0 अभ्यास का महत्व 0 सफलता का प्राप्ति

13. पोस्टमास्टर को डाकिए की लापरवाही के विरुद्ध शिकायती पत्र लिखिए। (5)

14. आप विद्यालय की प्रधानाचार्य हैं। आपने खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया है। इसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को सूचित करने हेतु एक सूचना लिखिए। (5)

15. आपके मोहल्ले में रक्तदान शिविर लगा है। रक्तदान से संबंधित रोहन और मोहन के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए। (5)

16. आप ज्वेलर्स हैं। अपने नए हीरों के हार की बिक्री बढ़ाने हेतु 20-25 शब्दों का एक विज्ञापन लिखिए। (5)

...